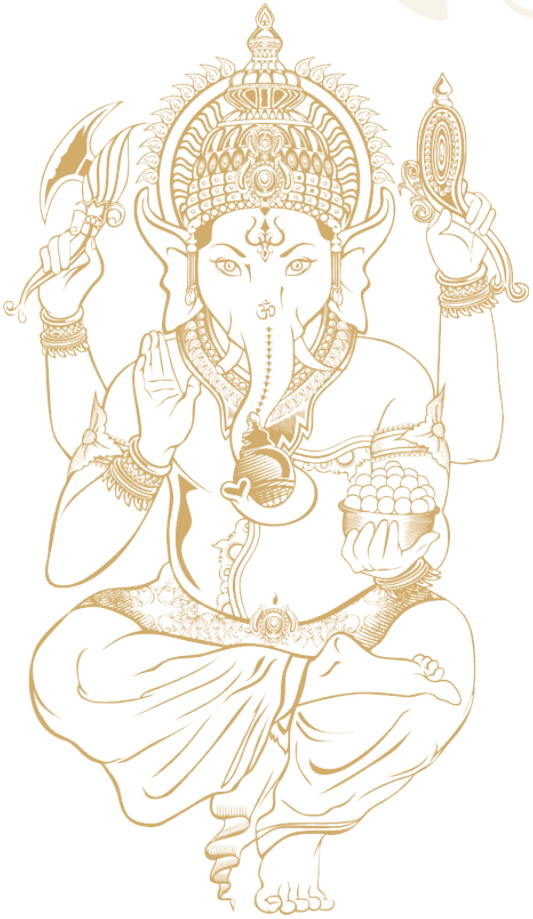

Ankit kumar karan

07 Dec 1991

03:25 AM

Jamshedpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121943602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/12/1991**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**03:25:00 घंटे**
इष्ट	53:02:15 घटी
स्थान	**Jamshedpur**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	22:47:00 उत्तर
रेखांश	86:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:39:48 घंटे
वेलान्तर	00:09:13 घंटे
साम्पातिक काल	08:40:31 घंटे
सूर्योदय	06:12:06 घंटे
सूर्यास्त	16:59:57 घंटे
दिनमान	10:47:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	20:31:52 वृश्चिक
लग्न के अंश	12:49:54 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शूल
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युवराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:49:54	322:28:00	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	20:31:52	01:00:56	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	28:51:20	12:04:02	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	नीच राशि
मंगल		अ	वृश्चि	11:49:38	00:42:59	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	स्वराशि
बुध	व	अ	वृश्चि	24:35:57	01:19:06	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु			सिंह	19:58:26	00:04:26	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र			तुला	06:57:17	01:09:35	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि			मक	09:32:11	00:05:29	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	16:08:22	00:02:03	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	नीच राशि
केतु	व		मिथु	16:08:22	00:02:03	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			धनु	18:29:06	00:03:16	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
नेप			धनु	21:33:46	00:02:01	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	27:28:54	00:02:16	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	13:58:22	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:56

लग्न-चलित

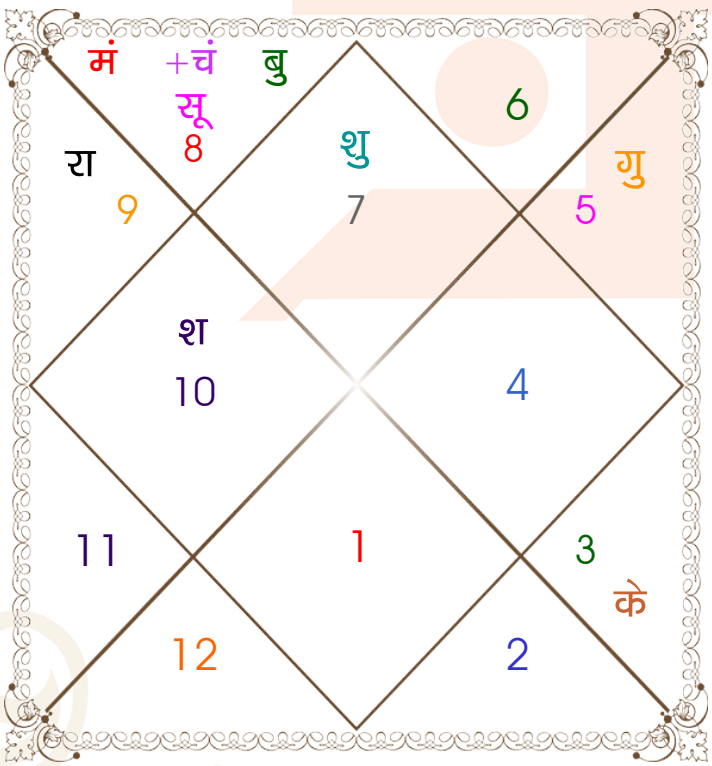

चन्द्र कुंडली

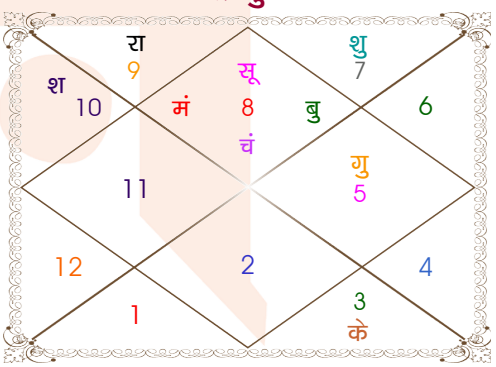

नवमांश कुंडली

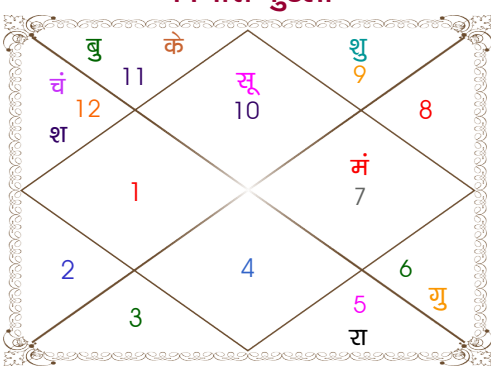

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 1 वर्ष 5 मास 15 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
07/12/1991		23/05/1993		22/05/2000		22/05/2020		23/05/2026	
23/05/1993		22/05/2000		22/05/2020		23/05/2026		22/05/2036	
	00/00/0000	केतु	19/10/1993	शुक्र	22/09/2003	सूर्य	09/09/2020	चंद्र	23/03/2027
	00/00/0000	शुक्र	19/12/1994	सूर्य	21/09/2004	चंद्र	11/03/2021	मंगल	22/10/2027
	00/00/0000	सूर्य	26/04/1995	चंद्र	23/05/2006	मंगल	16/07/2021	राहु	22/04/2029
	00/00/0000	चंद्र	25/11/1995	मंगल	23/07/2007	राहु	10/06/2022	गुरु	22/08/2030
	00/00/0000	मंगल	22/04/1996	राहु	23/07/2010	गुरु	29/03/2023	शनि	23/03/2032
	00/00/0000	राहु	10/05/1997	गुरु	23/03/2013	शनि	10/03/2024	बुध	22/08/2033
	00/00/0000	गुरु	16/04/1998	शनि	22/05/2016	बुध	15/01/2025	केतु	23/03/2034
	07/12/1991	शनि	26/05/1999	बुध	23/03/2019	केतु	23/05/2025	शुक्र	22/11/2035
शनि	23/05/1993	बुध	22/05/2000	केतु	22/05/2020	शुक्र	23/05/2026	सूर्य	22/05/2036

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/05/2036		23/05/2043		23/05/2061		23/05/2077		22/05/2096	
23/05/2043		23/05/2061		23/05/2077		22/05/2096		08/12/2111	
मंगल	19/10/2036	राहु	02/02/2046	गुरु	11/07/2063	शनि	25/05/2080	बुध	19/10/2098
राहु	06/11/2037	गुरु	28/06/2048	शनि	21/01/2066	बुध	03/02/2083	केतु	16/10/2099
गुरु	13/10/2038	शनि	05/05/2051	बुध	28/04/2068	केतु	13/03/2084	शुक्र	17/08/2102
शनि	22/11/2039	बुध	21/11/2053	केतु	04/04/2069	शुक्र	14/05/2087	सूर्य	24/06/2103
बुध	18/11/2040	केतु	10/12/2054	शुक्र	04/12/2071	सूर्य	25/04/2088	चंद्र	22/11/2104
केतु	16/04/2041	शुक्र	10/12/2057	सूर्य	21/09/2072	चंद्र	24/11/2089	मंगल	19/11/2105
शुक्र	16/06/2042	सूर्य	03/11/2058	चंद्र	21/01/2074	मंगल	03/01/2091	राहु	08/06/2108
सूर्य	22/10/2042	चंद्र	04/05/2060	मंगल	28/12/2074	राहु	09/11/2093	गुरु	14/09/2110
चंद्र	23/05/2043	मंगल	23/05/2061	राहु	23/05/2077	गुरु	22/05/2096	शनि	08/12/2111

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 1 वर्ष 5 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।